

नगरी हो अयोध्या सी लिरिक्स

<https://hindisanatan.com/>

नगरी हो अयोध्या सी,
रघुकुल सा घराना हो ।
और चरण हो राघव के,
जहाँ मेरा ठिकाना हो ॥

कौशल्या सी माई हो
लक्ष्मण सा भाई हो ।
और स्वामी तुम जैसा,
मेरा रघुराई हो ॥

हो त्याग भारत जैसा,
सीता सी नारी हो ।
और लवकुश के जैसी,
संतान हमारी हो ॥

श्रद्धा हो श्रवण जैसी,
शबरी सी भक्ति हो ।
और हनुमत के जैसी,
निष्ठा और शक्ति हो ॥

मेरी जीवन नैया हो,
प्रभु राम खेवैया हो ।
और राम कृपा की सदा,
मेरे सर छय्या हो ॥

सरयू का किनारा हो,
निर्मल जल धारा हो।
ओर दरश मुझे भगवन
हर घडी तुम्हारा हो ॥

श्रद्धा हो श्रवण जेसी,
शबरी सी भक्ति हो ।
हनुमान के जेसे निष्ठा,
ओर शक्ति हो ॥

नगरी हो अयोध्या सी,
रघुकुल सा घराना हो ।
ओर चरण हो राघव के,
जहाँ मेरा ठिकाना हो ॥

Lyrics <https://Hindisanatan.com>